

# रज़ा फ्रांस सरकार के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित

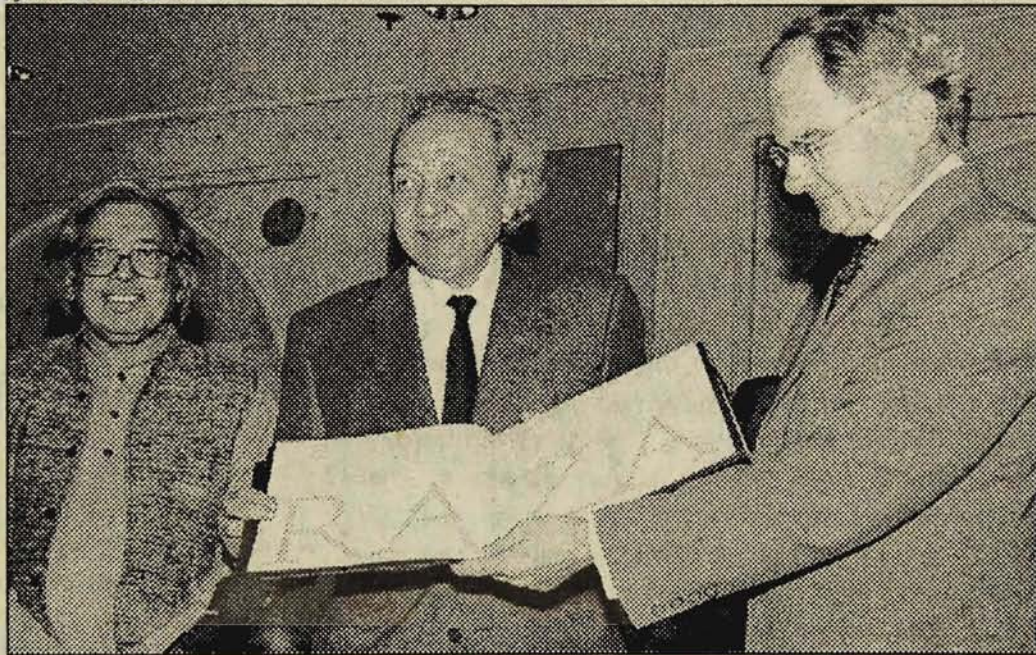
जनसत्ता ३-३-२००२

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, १ मार्च। मशहूर भारतीय चित्रकार सैयद हैदर रज़ा को फ्रांस सरकार ने अपने प्रतिष्ठित पुरस्कार 'ऑफिसर ऑफ द आर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लैटर्स' से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार उन्हें गुरुवार को भारत में फ्रांस के राजदूत बनारि मोफ़ेरॉ ने रज़ा की अस्सीवीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित विशेष समारोह के दौरान प्रदान किया।

'सहर' और मौर्य शेरटन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में अशोक वाजपेयी की किताब 'रज़ा' का लोकार्पण फ्रांसीसी राजदूत ने किया। यह किताब दो हिस्सों में है। एक भाग में रज़ा के साथ पेरिस में वाजपेयी की लंबी बातचीत और रज़ा की डायरी के चुनिंदा अंश दिए गए हैं। दूसरे भाग में रज़ा की प्रमुख कृतियों के प्रिंट और लिथोग्राफ शामिल हैं।

अशोक वाजपेयी ने बताया कि यह पुस्तक जल्द हिंदी में छपेगी। रज़ा पर एक दूसरी किताब की योजना की जानकारी भी उन्होंने दी और रज़ा पर लिखी एक लंबी



अशोक वाजपेयी (बाएं) की किताब 'रज़ा' का गुरुवार को राजधानी में लोकार्पण करते हुए भारत में फ्रांस के राजदूत बनारि मोफ़ेरॉ। बीच में हैं रज़ा।

कविता पढ़कर उन्हें उनकी अस्सीवीं वर्षगांठ पर समर्पित की। रज़ा ने इस मौके पर आभार व्यक्त करते हुए नई पीढ़ी से

परंपरा की खोज पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अपने को पहचाने बगैर समय से साक्षात्कार नहीं हो सकता। उन्होंने मध्य

प्रदेश से पेरिस, जहां अब वे रहते हैं, तक के सफर के अपने अनुभवों, चित्रों और रंगों की बात की। वे हिंदी और अंग्रेजी में बोले और फ्रांस सरकार को पुरस्कार के लिए उन्होंने फ्रेंच में धन्यवाद दिया।

फ्रांसीसी राजदूत मोफ़ेरॉ ने कहा कि वे रज़ा के चित्रों के मुरीद हैं और मानते हैं कि निस्संदेह फ्रांस और भारत को करीब लाने में रज़ा ने अहम भूमिका निभाई है।

शुरू में टाइम्स ऑफ इंडिया के कार्यकारी प्रबंध संपादक दिलीप पाडगांवकर ने रज़ा के व्यक्तित्व और काम का परिचय दिया। 'सहर' के संयोजक संजीव भार्गव ने आभार जताया।

आयोजन में कला और साहित्य जगत की नामी हस्तियां मौजूद थीं। भवेश सान्याल, रामकुमार, कृष्ण खन्ना, बीरेन दे, मनजीत बावा, मनु-माधवी पारेख, परमजीत-अर्पिता सिंह, जतिन दास, निर्मल वर्मा, मनोहर श्याम जोशी, केदारनाथ सिंह, उस्ताद रहीम फ़हीमुद्दीन डागर, उस्ताद असद अली खां, कुमार शहानी, आशिष नंदी आदि की शिरकत इनमें खास थी।